Rabindra Bharati University

Department Of Hindi

The following proposed syllabus structure is approved by the PG Board of studies of Hindi held on 03/08/17. The syllabus of Semester I&II is approved and introduced from 2017-'18. The syllabus of Semester III & IV is approved in the meeting of PG Board of studies of Hindi held on …….and going to be introduced in 2018-'19.

Syllabus of PG (Hindi) in CBCS structure

a) There will be four semesters
b) There will be five courses of fifty marks each (Written 40, Internal assessment 10)

Semester I

CC 1.1	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 1.2	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 1.3	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 1.4	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 1.5	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
	Total Credit of Semester I	25

Semester II

CC 2.1	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 2.2	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 2.3	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 2.4	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 2.5	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
	Total Credit of Semester II	25

Semester III

CC 3.1	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 3.2	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CC 3.3	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CEC 3.1	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CEC 3.2	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
	Total Credit of Semester III	25

Semester IV

CC 4.1	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CEC 4.1	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
CEC 4.2	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
OEC 4.1	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
OEC 4.2	Marks 50	Credit class 4, Credit Tutorial 1, Total 5
	Total Credit of Semester IV	25

Total Marks: 1000

Semester I

CC 1.1

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

1. साहित्येतिहास के सिद्धांत, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, काल विभाजन और नामकरण की समस्याएँ
2. राज्याश्रयी, धर्माश्रयी, लोकाश्रयी साहित्य की अवधारणा
3. भक्तिकाल की दार्शनिक पृष्ठभूमि, लोकजागरण में भक्तिकाल की भूमिका
4. सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में रीतिकाव्य का दर्शन, रीतिकाव्य और लोकजीवन, रीतितर साहित्य
5. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का तुलनात्मक विश्लेषण
6. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल के प्रमुख कवियों एवं कृतियों का सामान्य परिचय
7. आदिकाल से रीतिकाल : बदलती भाषा का स्वरूप

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य का आदिकाल
4. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास
5. रामकुमार वर्मा : हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
6. धीरेंद्र वर्मा : हिंदी साहित्य
7. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
8. रामविलास शर्मा: लोकजागरण और हिंदी साहित्य
9. गणपतिचंद्र गुप्त: हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
10. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

CC 1.2

आधुनिक हिंदी कविता I

1. नवजागरण से नई कविता : कवियों का सामान्य परिचय
2. भारतेंदु : हिंदी की उन्नति पर व्याख्यान (1 से 29)
3. प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा), आँसू (एक अंश)
4. निराला : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति
5. नागार्जुन : मंत्र, सिंदूर तिलकित भाल
6. अज्ञेय : हरी घास पर क्षण भर, घास-फूल धेर्य का, पहेली, असाध्य वीणा
7. मुक्तिबोध: तुम्हें विश्वास होगा क्या, ब्रह्मराक्षस
8. त्रिलोचन : सहस्रदल कमल, पैरों के आस-पास, समय यात्रा
9. धूमिल : कविता, आज मैं लड़ रहा हूँ, मुनासिब करवाई, सापेक्ष्य संवेदना

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार
2. नगेंद्र: कामायनी : पुनर्मूल्यांकन
3. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना
4. भोलाभाई पटेल : अज्ञेय : एक अध्ययन
5. अजय तिवारी : नागार्जुन का काव्य
6. अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की काव्य-प्रक्रिया
7. हुकुमचंद राजपाल : समकालीन बोध और धूमिल का काव्य
8. प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य
9. विद्या सिन्हा : नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध
10. गोविंद प्रसाद : त्रिलोचन के बारे में

CC 1.3

हिंदी कथा साहित्य

- हिंदी कथा साहित्य का विकास
- उपन्यास
    1. प्रेमचंद : गोदान
    2. भैरवप्रसाद गुप्त : गंगा मैया
    3. मृदुला गर्ग : कठगुलाब
- कहानी: दो कब्रें (प्रेमचंद), तुमने क्यों कहा था मैं सुंदर हूँ (यशपाल), रसूल मिस्तिरी (फणीश्वरनाथ रेणु), माया दर्पण (निर्मल वर्मा), राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), दूध और दवा (मार्कण्डेय), विजेता (रघुवीर सहाय), वारेन हेस्टिंग्स का सांड (उदयप्रकाश), स्वीमिंग पूल (असगर वजाहत), घुसपैठिये (ओमप्रकाश बाल्मीकि), बहू जुठाई (रमणिका गुप्ता)

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग
2. नामवर सिंह : कहानी–नई कहानी
3. राजेंद्र यादव : कहानी : शिल्प और संवेदना
4. इंद्रनाथ मदान : हिंदी कहानी : पहचान और परख
5. रमेश उपाध्याय : जनवादी कहानी
6. रामदरश मिश्र : हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा
7. गोपाल राय : हिंदी उपन्यास का इतिहास
8. मधुरेश : हिंदी उपन्यास का विकास
9. मधुरेश : यशपाल
10. राजेंद्र मिश्र : बीसवीं शताब्दी के चर्चित उपन्यास

CC 1.4

साहित्य सिद्धांत

1. साहित्य सिद्धांत की अवधारणा
2. काव्य की आत्मा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांत
3. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण), रस निष्पत्ति, साधारणीकरण
4. प्लेटो एवं अरस्तु के सिद्धांत में साम्य-वैषम्य
5. उन्नीसवीं सदी के पाश्चात्य समीक्षक : विलियम वड्र्सवर्थ, सेमुएल टेलर कोलरिज, मैथ्यू अर्नाल्ड
6. बीसवीं सदी के पाश्चात्य समीक्षक और नया चिंतन : टी.एस.इलियट, आई.ए. रिचड्र्स, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, रूपवाद
7. प्रतीक, बिंब, मिथक

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामचंद्र शुक्ल : रस-मीमांसा
2. नगेंद्र : रस सिद्धांत
3. नगेंद्र : भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका
4. भगीरथ मिश्र : भारतीय काव्यशास्त्र
5. सत्यदेव चौधरी : भारतीय काव्यशास्त्र
6. बलदेव उपाध्याय : भारतीय काव्यशास्त्र
7. देवेंद्रनाथ शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8. तारकनाथ बाली : पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास
9. शांतिस्वरूप गुप्त : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
10. मक्खनलाल शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : मार्क्सवादी परंपरा

CC 1.5

हिंदी भाषा का वैज्ञानिक तथा व्याकरणिक संदर्भ

1. भाषा की परिभाषा, भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिवर्तनशीलता
2. भाषा विज्ञान एवं व्याकरण में अंतर, भाषा विज्ञान की उपयोगिता
3. भाषा की इकाइयां(स्वनिम, रूपिम, वाक्य, प्रोक्ति)
4. भाषा अध्ययन के प्रमुख क्षेत्र : स्वनिम विज्ञान , रूपिम विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, मनोभाषिकी
5. भाषा का मानकीकरण, भाषा का आधुनिकीकरण(हिंदी के संदर्भ में)
6. बहुभाषिकता(भारत के संदर्भ में)
7. सामाजिक और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ
8. समतुल्यता का सिद्धांत
9. व्यतिरेकी भाषा विज्ञान

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. लेनर्ड ब्लूमफील्ड : भाषा (अनुदित)
2. उदयनारायण तिवारी : भाषाशास्त्र की रुपरेखा
3. उदयनारायण तिवारी : हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
4. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान
5. देवेंद्रनाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका
6. हरदेव बाहरी : हिंदी भाषा : उद्भव और विकास
7. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग

Semester II

CC 2.1

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

1. नवजागरण की पृष्ठभूमी और आधुनिक हिंदी साहित्य
2. आधुनिक हिंदी साहित्य में प्रयुक्त विविध वादों के विकासक्रम का परिचय(स्वच्छंतावाद, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद)
3. आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं का विकास(उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)
4. आधुनिक साहित्यिक आंदोलन : नई कहानी, नई कविता, अकविता, अकहानी
5. साठोत्तरी साहित्यिक आंदोलन की सामान्य प्रवृत्तियां
6. इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य लेखन
7. अहिंदीभाषी प्रांतों में हिंदी साहित्य लेखन (बंगाल, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के विशेष संदर्भ में)

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य
3. रामविलास शर्मा : भारतेंदु हरिश्चंद्र और आधुनिक काल
4. रामविलास शर्मा : महावीरप्रसाद द्विवेदी
5. गंपतिचंद्र गुप्त : हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भाग-2
6. बच्चन सिंह : हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
7. मुरलीमनोहर प्रसाद सिंह : 1857 का इतिहास और संस्कृति

CC 2.2

आधुनिक हिंदी कविता II

1. शमशेरबहादुर सिंह : आर्टिस्ट, डायरी, जीवन की कमान, बार-बार मन चाहता है
2. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : जंगल का दर्द, नदी से(2), रिश्ता(2), दिवंगत पिता के लिए(3 और 4), पिछड़ा आदमी
3. केदारनाथ सिंह : जो एक स्त्री को जनता है, बुद्ध की मुस्कान, नमक
4. राजेश जोशी : कल्पवृक्ष(एक), नफरत करो, मेटल डिटेक्टर, आठ लफंगों और एक पागल औरत का गीत
5. अरुण कमल : पुतली में संसार, अमरफल, सातवीं कक्षा के एक विद्यार्थी का शोध प्रबंध, उत्सव
6. मंगलेश डबराल : यह नंबर मौजूद नहीं, प्रेम करती स्त्री, रचना प्रक्रिया, एक पुरानी कहानी
7. अनामिका : स्त्री कवियों की जहालतें, 'ध' से धमाका, पुरुष मित्र, ङ, सेफ्टी पिन
8. एकांत श्रीवास्तव : लोहा, भींगना, चेहरा नहीं, रक्त परीक्षा

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. नामवर सिंह : कविता के नये प्रतिमान
2. कृष्णदत्त पालीवाल : सर्वेश्वर और उनकी कविता
3. विजेता साव : स्मृति का पुनर्वास
4. नीरज(सं) : राजेश जोशी : स्वप्न और प्रतिरोध
5. साईनाथ उमाटे : एकांत श्रीवास्तव की काव्यचेतना

CC 2.3

हिंदी निबंध साहित्य और अन्य गद्य विधाएँ

(आत्मकथा, संस्मरण, साक्षात्कार, डायरी, यात्रा-वृतांत)

निबंध

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : भाव या मनोविकार
2. हजारीप्रसाद द्ववेदी : घर जोड़ने की माया
3. कुबेरनाथ राय : निषाद बांसुरी

यात्रा वृतांत : देवताओं के अंचल में (अज्ञेय : अरे यायावर रहेगा याद)

पत्र साहित्य : चिठ्ठी पत्री : प्रेमचंद

आत्मकथा : गर्दिश के दिन, व्यंग्य क्यों किसलिए : हरिशंकर परसाई

साक्षात्कार : एक अंतरंग और बेलाग साक्षात्कार : अनीता राकेश

संस्मरण : लेखक ठोंक-पीटकर टनटनाकर देखें जाएं : कृष्णा सोबती

डायरी : अकेलापन और पार्थक्य : मुक्तिबोध

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. राममूर्ति त्रिपाठी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : प्रस्थान और परंपरा
2. शशि पांडे : हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य चिंतन
3. शिवप्रसाद सिंह : शांतिनिकेतन से शिवालिक
4. हरिमोहन : प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार
5. राजेंद्र मिश्र, देवीसिंह राठौर : निबंध और विविध गद्य

6. कैलाशचंद्र भाटिया, रचना भाटिया : साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ

CC 2.4

हिंदी आलोचना

1. हिंदी आलोचना : स्वरूप एवं विकास
2. हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ : काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय, संरचनावादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक
3. शुक्ल-पूर्व आलोचना(भारतेंदु, महावीरप्रसाद, मिश्रबंधु, पद्मसिंह शर्मा, शांतिप्रिय)
4. रामचंद्र शुक्ल
5. भारतीय मूल्यवादी आलोचना(हजारीप्रसाद, नंददुलारे, नगेंद्र, नलिनविलोचन, विश्वनाथप्रसाद मिश्र)
6. मार्क्सवादी आलोचना(शिवदानसिंह चौहान, प्रकाशचंद गुप्त, रामविलास, मुक्तिबोध, शिवकुमार मिश्र, नामवर)
7. मनोविश्लेषणवादी आलोचना(नगेंद्र, देवराज उपाध्याय, अज्ञेय)
8. आठवें दशक के रचनाकार आलोचक(निर्मल वर्मा, विजयदेव नारायण साही, अशोक वाजपेयी, मलयज)

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामविलास शर्मा : रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
2. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना
3. नंदकिशोर नवल : हिंदी आलोचना का विकास
4. चंद्रबली सिंह : आलोचना का जनपक्ष
5. भारत यायावर : आलोचना के रचनापुरुष नामवर सिंह
6. मधुरेश : हिंदी आलोचना का विकास
7. निर्मला जैन : हिंदी आलोचना
8. दामोदर मिश्र : हिंदी आलोचना में अनुपस्थित

CC 2.5

विविध विमर्श और हिंदी साहित्य

1. विमर्श : संकल्पना एवं स्वरूप ((भारतीय एवं पाश्चात्य)
2. उत्तर आधुनिक विमर्श
3. स्त्री-विमर्श
4. दलित विमर्श
5. आदिवासी विमर्श
6. संस्कृति विमर्श

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामधारी सिंह दिनकर : संस्कृति के चार अध्याय
2. मस्तराम कपूर : भूमंडलीकरण
3. सुभाष शर्मा : संस्कृति और समाज
4. परमानंद श्रीवास्तव : प्रतिरोध की संस्कृति और साहित्य
5. ओमप्रकाश बाल्मीकि : मुख्यधारा और दलित
6. हरपाल सिंह : दलित साहित्य का आधार तत्व
7. श्यौराज सिंह बेचैन : दलित विमर्श
8. रमणिका गुप्ता : आदिवासी : विकास से विस्थापन
9. रमणिका गुप्ता : आदिवासी अस्मिता का संकट
10. अरविंद जैन : स्त्री : मुक्ति का सपना

Semester III

CC 3.1

राजभाषा और अनुवाद

1. राजभाषा हिंदी : स्वरूप और विकास
2. राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान : विभिन्न राजभाषा अधिनियम और संकल्प
3. राजभाषा हिंदी की समस्याएं
4. पत्राचार के विविध आयाम—प्रारूपण, आलेखन, अधिसूचना, प्रतिवेदन, निविदा, टिप्पण
5. अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप
6. अनुवाद प्रक्रिया
7. अनुवाद के सिद्धांत
8. हिंदी में अनुवाद चिंतन और अनुवाद
9. अनुवाद और भाषा विज्ञान में संबंध : तुलनात्मक, अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी
10. अनुवाद के विविध प्रकार एवं उपकरण
11. अनुवाद की समस्याएँ
12. व्यवहारिक अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी)

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. भोलानाथ तिवारी: अनुवाद विज्ञान
2. भोलानाथ तिवारी: राजभाषा हिंदी
3. एन.ई. विश्वनाथअय्यर : अनुवाद कला
4. कैलाशचंद्र भाटिया : अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग
5. सुरेश कुमार : अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा
6. कृष्णकुमार गोस्वामी : अनुवाद विज्ञानं की भूमिका
7. माधव सोनटक्के : प्रयोजनमूलक हिंदी
8. रामप्रकाश, दिनेश गुप्त: प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और प्रयोग

9. ओमप्रकाश शर्मा : हिंदी आलोचना और टिप्पण
10. प्रकाशन विभाग, भारत सरकार : राजभाषा हिंदी

CC 3.2

हिंदी पत्रकारिता

1. पत्रकारिता : स्वरूप, महत्त्व और प्रकार
2. भारतीय पत्रकारिता का उदय और हिंदी पत्रकारिता का आरंभ
3. नवजागरणकालीन हिंदी पत्रकारिता की प्रवृत्तियां
4. स्वाधीनता आन्दोलन और हिंदी पत्रकारिता
5. स्वधीनोत्तर हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और प्रवृत्तियां
6. लघु-पत्रिका आन्दोलन
7. पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानिक पत्रकारिता, स्वतंत्र पत्रकारिता प्रबंधन
8. पत्रकार का दायित्व, पत्रकारिता प्रबंधन
9. समाचार लेखन
10. रिपोर्टिंग के प्रमुख क्षेत्र : राजनीति, खेल, संस्कृति जगत, आर्थिक जगत, अपराध
11. संपादन कला, ले-आउट

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. वेदप्रताप वैदिक : हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम
2. विष्णुदत्त शुक्ल : आधुनिक पत्रकला
3. विश्वनाथ सिंह : पत्रकारिता : सिद्धांत और कला
4. हरिमोहन: समाचार, फीचर लेखन और संपादन कला
5. विनोद गोदरे: हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ
6. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता
7. एस. के. दुबे: पत्रकारिता के नये आयाम
8. अजय कुमार सिंह: इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता
9. अखिलेश मिश्र: पत्रकारिता : मिशन से मिडिया तक

10.जीतेन्द्र वत्स : हिंदी पत्रकारिता

CC 3.3

तुलनात्मक अध्ययन

1. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा और आवश्यकता
2. विश्व साहित्य और भारतीय साहित्य की अवधारणा
3. आधुनिक भारतीय साहित्य : तुलनात्मक विश्लेषण
4. आधुनिक बंगला और हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय
5. पाठ्य:
   i. नाटक: जयशंकर प्रसाद : चन्द्रगुप्त; डी.एल.राय : चन्द्रगुप्त
   ii. कहानी : प्रेमचंद : कफ़न; शरतचंद्र : अभागी का स्वर्ग; मानिक बन्द्योपाध्याय : छीनकर क्यों नहीं खाया, हारान का नातिन दामाद
   iii. निबंध: रवींद्रनाथ ठाकुर : साहित्य विचार; हजारी प्रसाद द्विवेदी : मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
   iv. उपन्यास : सतीनाथ भादुड़ी : ढोड़ायचरित मानस; फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल
   v. कविता : निराला : बादल राग; नजरूल : विद्रोही; शक्ति चट्टोपाध्याय : हेमंत वन में पोस्टमैन; सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : जंगल का दर्द

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. सुब्रत लाहिड़ी : ग्राम बँगला की कहानियां
2. सुब्रत लाहिड़ी: मानिक बंद्योपाध्याय का वैचारिक संघर्ष
3. ज्योतिर्मय घोष : जीवन की कला: प्रेमचंद और मानिक बंद्योपाध्याय
4. इंद्रनाथ चौधरी : तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य
5. तनुजा मजूमदार : निराला और नजरूल
6. सोमनाथ मुखोपाध्याय : शक्ति चट्टोपाध्यायेर काव्य परिक्रमा
7. आशीष कुमार डे: मानिकेर छोट्ट गल्पो : शिल्पिर नबोजन्मो
8. प्रमथनाथ बिशि : रवीन्द्र काव्य प्रवाह
9. दामोदर मिश्र : अग्निवीणा और अन्य कविताएँ

10.राजमल बोरा : तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ
11.ब्रजकिशोर झा : फणीश्वरनाथ रेणु और सतीनाथ भादुड़ी के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन

CEC 3.1

समकालीन हिंदी साहित्य

1. समकालीन साहित्य की अवधारणा और विशेषता
2. आधुनिकता, समसामयिकता, समकालीन बोध
3. समकालीन कविता : विकासात्मक परिचय
4. समकालीन कहानी : विकासात्मक परिचय
5. समकालीन उपन्यास : विकासात्मक परिचय
6. समकालीन नाटक : विकासात्मक परिचय
7. समकालीन साहित्य में लोकचेतना
8. समकालीन साहित्य की भाषा
9. संक्षिप्त परिचय : धूमिल, लीलाधर जगूड़ी, ज्ञानेंद्रपति, उदय प्रकाश, कुमार अंबुज, बद्रीनारायण
10.राजेंद्र यादव, अमरकांत, ज्ञानरंजन, गंगा प्रसाद विमल, शैलेश मटियानी, हिमांशु जोशी, मृदुला गर्ग

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. परमानन्द श्रीवास्तव : समकालीन कविता : नये प्रस्थान
2. ए. अरविंदाक्षण : समकालीन हिंदी कविता
3. हुकुमचंद राजपाल : समकालीन बोध और धूमिल का काव्य
4. मीरा दाढे : समसामयिक साहित्य : चिंतन और चुनौतियाँ
5. राजेन्द्र यादव : कहानी : स्वरूप और संवेदना
6. रमणिका गुप्ता : आधुनिक महिला लेखन(कविता)
7. रमणिका गुप्ता : समकालीन कहानियां
8. रमणिका गुप्ता : दूसरी दुनिया का यथार्थ
9. नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्य-यात्रा
10.दिलीप साक्य : कविता की समझ
11.उमा हेगड़े : समकालीन हिंदी नाटक : युगबोध

12.विजयमोहन सिंह : बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य

अथवा

हिंदी साहित्य का मध्यकाल (सगुण भक्ति काव्य)

1. तुलसीदास : राम चरितमानस (उत्तर कांड) रामराज्य (चुने हुए पद)
   गोस्वामी तुलसीदास कृत विनय पत्रिका, सं. योगेंद्र प्रताप सिंह, पद संख्या: 221 से 225
2. सूरदास : भ्रमरगीतसार, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, पद संख्या: 140 से 150
3. मीरां: मीरांबाई, संपादक: बलदेव वंशी, पद संख्या: 1 से 10
4. नंददास : नंददास ग्रंथावली, संपादक : ब्रजरत्न दास, रास पंचाध्यायी (वनविहार), पद संख्या: 87 से 96

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. नन्ददुलारे वाजपेयी : महाकवि सूरदास
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस
3. मैनेजर पांडे: सूर संचयिता
4. परशुराम चतुर्वेदी : मीरां की पदावली
5. शिवकुमार मिश्र : भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
6. मैनेजर पांडे : भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य
7. नंदकिशोर नवल : तुलसीदास
8. नंदकिशोर नवल : सूरदास
9. रांगेय राघव : तुलसीदास का कथा-शिल्प
10. शिवकुमार मिश्र : भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
11. मैनेजर पांडे : भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य

CEC 3.2

समकालीन हिंदी साहित्य

समकालीन हिंदी कहानी

1. निर्मल वर्मा : लंदन की एक रात
2. राजेंद्र यादव : घर की तलाश
3. मोहन राकेश : जख्म
4. कमलेश्वर : आसक्ति
5. अमरकांत : पलाश के फूल
6. मुक्तिबोध : पक्षी और दीमक
7. काशीनाथ सिंह: महुआ चरित
8. संजीव: काउंट डाउन
9. ओमप्रकाश बाल्मीकि : प्रोमोशन
10. कृष्णा सोबती : बादलों के घेरे

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. रामदरश मिश्र : हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान
2. राजेंद्र यादव : कहानी : स्वरूप और संवेदना
3. रवीन्द्र कालिया : अमरकांत : एक मूल्यांकन
4. मिनि जॉर्ज : कमलेश्वर का कथा साहित्य : समकालीन समस्याओं का जीवंत आलेख
5. अरविंद कुमार : हिंदी कहानी : यथार्थ के नए धरातल
6. पुष्पपाल सिंह : समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य
7. शैलजा : समकालीन हिंदी कहानी : बदलते जीवन संदर्भ
8. रमणिका गुप्ता : समकालीन कहानियां

9. शिवशंकर पांडे : हिंदी कहानी : संवेदना और शिल्प

अथवा

हिंदी साहित्य का मध्यकाल

(निर्गुण भक्ति काव्य)

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपादक : श्यामसुंदर दास, साखी : कस्तूरियाँ मृग को अंग (1 से 9), पद : राग रामकली (153 से 157)
2. जायसी : जायसी ग्रंथावली (नागमती-वियोग खंड), संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, पद संख्या: 326 से 332
3. रैदास : रैदास बानी, संपादक : शुकदेव सिंह, पद संख्या : 17 से 21, साखी : 1 से 10
4. सहजोबाई : स्त्री काव्यधारा, सं. जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह, दोहा संख्या : 1 से 17

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. श्यामसुंदर दास : कबीर ग्रन्थावली
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : कबीर
3. गोविंद त्रिगुणायत : कबीर की विचारधारा
4. परशुराम चतुर्वेदी : कबीर साहित्य का अध्ययन
5. रघुवंश : जायसी : एक नई दृष्टि
6. शिवकुमार मिश्र : भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
7. निजामुद्दीन अंसारी : सूफी कवि जायसी का प्रेम-निरूपण
8. पद्मावती झुनझुनवाला : संत रैदास
9. मोहनलाल तिवारी : मलिक मुहम्मद जायसी और पद्मावत
10. एन. सिंह : संत शिरोमणि रैदास : वाणी और विचार
11. मीरा गौतम : गुरु रविदास की वाणी एवं महत्त्व

Semester IV

CC 4.1

हिंदी नाटक और रंगमंच

- नाटक

1. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
2. शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य
3. शरद जोशी : एक था गधा
4. हबीब तनवीर : चरणदास चोर

- रंगमंच

1. हिंदी रंगमंच का सामान्य परिचय
2. भारतीय रंगमंच और हिंदी रंगमंच
3. भारतेंदु और प्रसाद की रंग-दृष्टि
4. पारसी रंगमंच बनाम हिंदी रंगमंच, व्यवसायिक रंगमंच
5. अनुदित भारतीय नाटक और हिंदी रंगमंच
6. हिंदी रंगमंच के विकास में हिंदीतर प्रान्तों की देन
7. हिंदी की लोकनाट्य शैली
8. नुक्कड़ मंच और जननाट्य आंदोलन
9. हिंदी के प्रमुख नाट्य और रंग व्यक्तित्व
10. कथा-साहित्य का मंचन
11. हिंदी के काव्य नाटक और मंचन
12. हिंदी नाटक और रंगमंच पर पाश्चात्य प्रभाव

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. गोविंद चातक : भारतीय नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश
2. सत्येंद्र कुमार तनेजा : नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना
3. सुरेश बी. पटेल : हिंदी नाटक और मिथक
4. कृष्णानंद तिवारी : नाटककार मोहन राकेश
5. नरेंद्र मोहन : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच
6. गिरीश रस्तोगी : बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच
7. गोविंद चातक : नाटक की साहित्यिक संरचना
8. गोविंद चातक : नाट्य भाषा
9. जयदेव तनेजा : आज के हिंदी रंग नाटक
10. जयदेव तनेजा : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच
11. जयदेव तनेजा : हिंदी नाटक : आजकल

CEC 4.1

समकालीन साहित्य में स्त्री-विमर्श

1. भारतीय नवजागरण और स्त्री
2. भारत में स्त्री-मुक्ति आंदोलन और सशक्तिकरण
3. हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श और स्त्री लेखन
4. स्त्री सौंदर्य शास्त्र
5. स्त्री मुक्ति आंदोलन और विविध वाद
6. मीडिया, बाजारवाद, विज्ञापन और स्त्री समाज

पाठ : क. उपन्यास : मैत्रेयी पुष्पा : झूला नट
नासिरा शर्मा : पारिजात
ख. कविता : कात्यायनी: त्रिया चरित्रं पुरुषस्य भाग्यम, एक फैसला
रमणिका गुप्ता : उसे रोने की मनाही, मुक्ति या बंधन
ग. कहानी : मृदुला गर्ग : यहाँ कमलिनी खिलती हैं
राजी सेठ : खाली लिफ़ाफ़ा
घ. नाटक : भीष्म साहनी : माधवी

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. अनामिका : स्त्री-विमर्श की उत्तर गाथा
2. दया दीक्षित : मैत्रेयी पुष्पा : तथ्य और सत्य
3. प्रमिला के.पी. : स्त्री अस्मिता और समकालीन कविता
4. कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा : स्त्री मुक्ति का सपना
5. ओंकारलाल मीना : स्त्री-साहित्य का सौंदर्य शास्त्र
6. अनामिका : स्त्री-विमर्श का लोकपक्ष
7. राधा कुमार : स्त्री संघर्ष का इतिहास (1800—1900)

8. रमणिका गुप्ता, विमल थोरात : स्त्री नैतिकता का तालिबानीकरण
9. एम. फिरोज अहमद : नासिरा शर्मा : एक मूल्यांकन
10. ममता कालिया : भविष्य का स्त्री विमर्श

अथवा

मध्यकालीन हिंदी काव्य

(उत्तर मध्यकाल-रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य)

1. केशव : रामचंद्रिका (चुने हुए पद)
2. मतिराम: मतिराम ग्रंथावली, संपादक : कृष्णबिहारी मिश्र, मतिराम सतसई, 11 से 20
3. बिहारी : बिहारी रत्नाकर, संपादक : श्री जगन्नाथदास रत्नाकर, पद संख्या: 1 से 25

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : बिहारी प्रकाश
2. बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन
3. नगेंद्र : रीतिकाल की भूमिका
4. विजयपाल सिंह : केशवदास

CEC 4.2

समकालीन हिंदी व्यंग्य साहित्य

1. व्यंग्य : परिभाषा और प्रयोजनीयता
2. हिंदी व्यंग्य साहित्य की परंपरा
3. व्यंग्य साहित्य का सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनितिक परिप्रेक्ष्य
4. व्यंग्य साहित्य की भाषा
5. व्यंग्य साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

पाठ : सुदर्शन : सायकिल की सवारी
निराला : श्यामा
अमृतलाल नागर : क़यामत के दिन
हरिशंकर परसाई : ठिठुरता हुआ गणतंत्र
नरेंद्र कोहली : नामचर्चा
श्रीलाल शुक्ल : दि ग्रैंड मोटर ड्राइविंग स्कूल
नाटक : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : बकरी
बदीउज्जमा : एक चूहे की मौत

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. सुभाष चंदर : हिंदी व्यंग्य का इतिहास
2. मलय : व्यंग्य का सौंदर्यशास्त्र
3. बलेंदुशेखर तिवारी : हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य
4. वीरेंद्र मेंहदीरत्ता : आधुनिक हिंदी साहित्य में व्यंग्य
5. हरिशंकर दुबे : स्वातंत्र्योत्तर गद्य में व्यंग्य

अथवा

मध्यकालीन हिंदी साहित्य

(उत्तर मध्यकाल : रीतिमुक्त, शृंगारेतर काव्य)

1. घनानंद : घनानंद कवित्त (चुने हुए पद)
2. भूषण : भूषण ग्रंथावली, संपादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, शिवाजी कवित्त: 408 से 417
3. रहीम: रहीम ग्रंथावली, संपादक : विद्यानिवास मिश्र, दोहा संख्या: 101 से 120

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. मनोहरलाल गौड़ : घनानंद और स्वच्छन्द काव्यधारा
2. रामशंकर त्रिपाठी : रहीम : बड़े व्यक्ति बड़े कवि
3. शिवनारायण सिंह : रीतिकालीन वीर काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन
4. हिंदी वीर काव्यधारा : बटे कृष्ण

OEC 4.1

जनसंचार और मिडिया

1. मिडिया एवं जनसंचार
2. प्रेस, रेडियो, टेलीविजन एवं सिनेमा माध्यम
3. मिडिया एवं महिलाएं, विज्ञापन एवं महिलाएं
4. सोशल एवं वेब मिडिया
5. मुक्त प्रेस की अवधारणा
6. मिडिया एवं शिक्षा जगत
7. मिडिया एवं समाज
8. लोक माध्यम
9. मिडिया की भूमिका
10. सूचनाधिकार, मानवाधिकार, प्रेस कानून, आचार संहिता

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. चंद्रकांत सरजाना : जनसंचार : कल आज और कल
2. पूरनचंद्र जोशी : संस्कृति विकास और संचार क्रांति
3. सुभाष धुलिया : संस्कृति क्रांति की राजनीति और विचारधारा
4. गौरीशंकर रैना : संचारमाध्यम लेखन
5. हर्षदेव : उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक
6. हरवंश दीक्षित : प्रेस विधि और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य
7. मधुकर लेले : भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया
8. रामआह्लाद चौधरी : लोकतंत्र, मीडिया और हिंदी

अथवा

सृजनात्मक लेखन

1. सृजन की अवधारणा, सृजन और सौन्दर्य शास्त्र, सृजनात्मक लेखन
2. सृजन की प्रणालियाँ
3. नाट्य लेखन : नाट्य लेखन विधि, रंगमंच की चुनौतियाँ,
4. मिडिया लेखन : रेडियो नाटक, स्क्रिप्ट लेखन, समाचार लेखन, पार्श्व वाचन
5. विज्ञापन लेखन : विज्ञापन की कॉपी, विज्ञापन का दृश्यात्मक रूप, विज्ञापन की प्रविधि
6. फिल्म लेखन : फिल्मों के प्रकार, फिल्म के तत्व एवं व्यवहारिक फिल्म लेखन, संवाद, पटकथा लेखन

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. राजेंद्र यादव, बासु चैटर्जी : सारा आकाश : पटकथा
2. मनोहरश्याम जोशी : पटकथा लेखन : एक परिचय
3. असगर वजाहत : व्यावहारिक निर्देशिका : पटकथा लेखन
4. गोविंद चातक : नाट्यभाषा
5. गोविंद चातक : रंगमंच : कला और दृष्टि
6. राजेंद्र मिश्र : सृजनात्मक लेखन
7. माया प्रकाश पांडे : समकालीन साहित्य, बाजार और मीडिया
8. राजेंद्र पांडे : पटकथा कैसे लिखें

OEC 4.2

हिंदी और बँगला का भाषिक और व्याकरणिक अध्ययन

1. हिंदी भाषा का विकासक्रम
2. बंगला भाषा का विकासक्रम
3. हिंदी की भाषागत विशेषताएं
4. बंगला की भाषागत विशेषताएं
5. हिंदी बंगला : अंतर्संबंध
6. हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ
7. बंगला की व्याकरणिक कोटियाँ
8. हिंदी की प्रयोगगत विशेषताएं
9. बंगला की प्रयोगगत विशेषताएं
10. हिंदी और बंगला में वाक्य-संरचना
11. हिंदी और बंगला शब्द-रचना
12. हिंदी और बंगला में उपसर्ग और प्रत्यय के प्रयोग में समानता और असमानता

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. Suniti kumar Chatterjee : Origin and development of Bengali language, Vol. I-III
2. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : भारतीय आर्यभाषा और हिंदी
3. उदयनारायण तिवारी : हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
4. कामताप्रसाद गुरु : हिंदी व्याकरण
5. भोलानाथ तिवारी : हिंदी भाषा की संरचना
6. सियाराम तिवारी : भारतीय भाषाओं की पहचान
7. सुब्रत लाहिड़ी : हिंदी बंगला क्रियारूप : संरचनात्मक विश्लेषण

अथवा

भाषा शिक्षण

1. भाषा शिक्षण : उद्देश्य और स्वरूप
2. भाषा शिक्षण के सिद्धांत: उद्दीपन अनुक्रिया, पुनर्बलन सिद्धांत, माध्यमीकरण, अंतरजात क्षमता, संज्ञात्मक विकास,
3. भाषा शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकार : मातृ भाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा, समतुल्य भाषा, परिपूरक भाषा, सहायक भाषा, संपूरक भाषा
4. मातृ भाषा शिक्षण एवं अन्य भाषा शिक्षण में अंतर, द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण
5. भाषा शिक्षण की विधियाँ : व्याकरण अनुवाद, विविध प्रकार, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण भाषण विधि, संप्रेषनात्मक विधि
6. भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री : औपचारिक भाषा शिक्षण, नक्शे-चार्ट, चित्र, भाषा प्रयोगशाला, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि
7. हिंदी उच्चारण, वर्त्तनी और व्याकरण का शिक्षण

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x12=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. रमाकांत अग्निहोत्री: भाषा एवं भाषा शिक्षण—1, 2
2. विनोद प्रसाद : भाषा और प्रोद्योगिकी
3. ब्रजमोहन : भाषा और व्यवहार
4. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : भाषा शिक्षण
5. Diane Larsen : Techniques and principles in language teaching
6. Jack C. Richards and. Theodore S, Rodgers *:* Approaches and Methods in Language Teaching
7. Richards, J. C. and W. A. Renandya. (eds.): Methodology in Language Teaching: An Anthology of. Current Practice.
8. Patsy Lightbown and Nina Spada : How Languages are Learned

Rabindra Bharati University

Department of Hindi

Semester – I

Course Code – CC 1.1

Course Name – हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. हिंदी साहित्य के सम्पूर्ण परम्परा को जान पाएँगे।
2. परम्परा को जानने के क्रम में विभिन्न रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
3. विभिन्न रचनाओं से परिचय होगा।
4. रचना के अध्ययन से उस समाज की परिस्थितियों से अवगत होंगे।
5. परिस्थितियों से अवगत होने से रचनाओं के माध्यम से समकालीन, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित होंगे।
2. तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों को जान पाएँगे जिससे हमारी ज्ञान को विस्तार मिलेगा।
3. अतीत के ज्ञान से वर्तमान के व्यवस्थित निर्माण में सहायता मिलेगी।
4. रचनाकार एवं रचनाओं को जान सकेंगे तथा वर्तमान एवं भविष्य के निर्माण में इसका उपयोग करेंगे।
5. इतिहास के ज्ञान से एक धर्मनिरपेक्ष, राष्ट्रप्रेमी, सुनागरिक के निर्माण में सहयोग मिलेगा।

Course Code – CC 1.2

Course Name – आधुनिक हिंदी कविता-**I**

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. नवजागरण से नई कविता तक के विभिन्न कवियों का परिचय जान पाएँगे।
2. इनके विभिन्न रचनाओं से परिचय होगा।

3. भारतेंदु, प्रसाद, निराला, नागार्जुन सरीखे रचनाकारों को पढ़कर इनके जीवन संघर्ष और उस समय के सामाजिक ताना-बाना को समझ पाएँगे।
4. मुक्तिबोध को पढ़ते समय फैन्टेसी को भी जान पाएँगे।
5. कविताओं को पढ़ते समय समाज के विभिन्न समस्याओं से परिचय होंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. नवजागरण से नई कविता तक के विभिन्न कविता के पड़ावों को जान पाएँगे।
2. इन रचनाओं को पढ़कर वर्तमान को व्यवस्थित करने में सहायता मिलेगी।
3. आम-जन की पीड़ा को इन कविताओं के माध्यम से जान पाएँगे।
4. इनके द्वारा दिए गए सुझाव से समाज के समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे।
5. कवि या हास्य कवि के रूप में स्वावलम्बी बनने में कारगर सिद्ध होगी।

Course Code – CC 1.3

Course Name – हिंदी कथा साहित्य

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकास को जान पाएँगे।
2. हिंदी कहानी साहित्य के विकासक्रम को जान पाएँगे।
3. कथा साहित्य के विभिन्न रचना एवं रचनाकारों से अवगत होंगे।
4. कथा साहित्य के वैशिष्ट्य को समझ पाएँगे।
5. कथा साहित्य की भाषा एवं शिल्प को समझ पाएँगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. हिंदी उपन्यास साहित्य का यथार्थ रूप जान पाएँगे।
2. हिंदी कहानी साहित्य के माध्यम से समाज में फैले विभिन्न कमजोरियों, रूढ़ियों को उजागर कर पाएँगे।
3. हिंदी कथा साहित्य की चर्चा अत्यन्त गहराई व विस्तार से कर पाएँगे।
4. हिंदी कथा साहित्य की भाषा, कला सौन्दर्य की शानदार अभिव्यक्ति कर पाएँगे।
5. प्रस्तुत रचनाकार के रचनाओं से प्रेरित होकर सामाजिक कार्य करेंगे।

Course Code – CC 1.4

Course Name – साहित्य सिद्धान्त

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. साहित्य सिद्धान्त की अवधारणा से अवगत होंगे।
2. काव्य की आत्मा को पढ़ते हुए विभिन्न काव्य सिद्धांत को पढ़ पाएँगे।
3. प्लेटों और अरस्तु के सिद्धान्त में साम्य और वैषम्य की पड़ताल करेंगे।
4. उन्नीसवीं सदी के पाश्चात्य समीक्षक वर्ड्सवर्थ, कोलरिज, मैथ्यू अर्नाल्ड आदि का अध्ययन करेंगे।
5. बीसवीं सदी के पश्चात विद्वान टी.एस. इलियट, आई.एरिच के साथ ही साथ उत्तरआधुनिकतावादी, संरचनावाद, रूप वाद को समझने का प्रयास करेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. काव्य के सिद्धान्तों को कहीं भी प्रस्तुत कर पाएँगे।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों को स्पष्ट रूप से कह पाएँगे।
3. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों को समझ पाएँगे।
4. बीसवीं सदी के समीक्षकों का व्यापक रूप से अध्ययन कर पाएँगे।
5. आठवें दशक के भारतीय आलोचकों को पढ़कर नई दृष्टि उत्पन्न होगी।

Course Code – CC 1.5

Course Name – हिंदी भाषा का वैज्ञानिक तथा व्याकरणिक संदर्भ

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिवर्तनशीलता जान पाएँगे।
2. भाषा विज्ञान को जान पाएँगे।
3. भाषा अध्ययन के प्रमुख क्षेत्र को समझ पाएँगे।
4. भाषा का मानकीकरण और भाषा का आधुनिकीकरण को विस्तार से समझ पाएँगे।
5. समतुल्यता के सिद्धान्त को सम्पूर्ण रूप से समझ पाएँगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. भाषा की परिभाषा और उत्पत्ति को सम्पूर्णता में जान पाएँगे जिससे हमारी ज्ञान में वृद्धि होगी।

2. भाषा विज्ञान के माध्यम से ध्वनियों का उच्चारण स्पष्ट होगा।
3. बहुभाषिकता से दूसरे लोगों से मेल-जोल बढ़ेगी।
4. समतुल्यता के सिद्धान्त से लोगों में आत्मविश्वास बढ़ेगी।
5. इससे सुनागरिक बनने में सहयोग मिलेगा।

Semester – II

Course Code – CC 2.1

Course Name – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के सम्पूर्ण परम्परा को जान पाएँगे।
2. आधुनिक काल के परम्परा को जानने के क्रम में विभिन्न रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
3. विभिन्न रचनाओं से परिचय होगा।
4. आधुनिक काल की रचनों के अध्ययन से उस समाज की परिस्थितियों से अवगत होंगे।
5. परिस्थितियों से अवगत होने से रचनाओं के माध्यम से समकालीन, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, परिस्थितियों का ज्ञान होगा।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल से परिचित होंगे।
2. आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों को जान पाएँगे जिससे हमारी ज्ञान को विस्तार मिलेगा।
3. आधुनिक के ज्ञान से वर्तमान के व्यवस्थित निर्माण में सहायता मिलेगी।
4. रचनाकार एवं रचनाओं को जान सकेंगे तथा वर्तमान के निर्माण में इसका उपयोग करेंगे।
5. आधुनिक काल के ज्ञान से एक राष्ट्रप्रेमी और सुनागरिक के निर्माण में सहयोग मिलेगा।

Course Code – CC 2.2

Course Name – आधुनिक हिंदी कविता-**II**

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न आयामों से अवगत होंगे।

2. आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न रचनाकारों का जीवन परिचय प्राप्त होगा।
3. आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न रचनाओं से परिचय होगा।
4. आधुनिक हिंदी कविता के अध्ययन से उस समय के समाज की परिस्थितियों से अवगत होंगे।
5. आधुनिक हिंदी काव्य के अध्ययन से लोगों की मनोदशा का ज्ञान होगा।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. आधुनिक हिंदी कविता के इतिहास से परिचित होंगे।
2. आधुनिक हिंदी कविता साहित्य की आधारभूत जानकारी साजा कर पाएँगे।
3. आधुनिक हिंदी कविता के माध्यम से सामाजिक समस्याओं और पाखंड को उजागर कर सकेंगे।
4. आधुनिक हिंदी कविता साहित्य की चर्चा गहराई व विस्तार से कर पाएँगे।
5. आधुनिक हिंदी कविता की भाषा और सौन्दर्य को समझ पाएँगे।

Course Code – CC 2.3

Course Name – हिंदी निबंध साहित्य और अन्य गद्य विधाएँ (आत्मकथा, संस्मरण, साक्षात्कार, डायरी, यात्रा वृतांत)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. हिंदी निबंध की परम्परा को समझ पाएँगे।
2. आत्मकथा और संस्मरण के विकास-क्रम से भलीभाँति परिचित हो पाएँगे।
3. साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूर्ण रूप से जान सकेंगे।
4. हिन्दी साहित्य में यात्रा-वृतांत का गहन अध्ययन कर पाएँगे।
5. हिंदी के कथेतर साहित्य से परिचित हो पाएँगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. हिंदी के अन्य गद्य विधाओं को समझने में सहूलियत होगी।
2. मुक्तिबोध के डायरी से किसी के व्यक्तित्व को समझ पाएँगे।
3. प्रेमचंद के चिट्ठी पत्री से उस समय के विभिन्न रचनाकारों को समझ पाएँगे।

4. परसाई जी के व्यंग्य से उस समय के सामाजिक सरोकारों को जान पाएँगे।
5. कृष्णा सोबती जी की संस्मरण से लेखक और आलोचक के पार्थक्य को उचित ढंग से समझा जा सकता है।

Course Code – CC 2.4

Course Name – हिंदी आलोचना

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. हिंदी आलोचना का स्वरूप एवं विकास क्रम से परिचित होंगे।
2. हिंदी आलोचना के विविध प्रणालियों से रु-ब-रु होंगे।
3. शुक्ल-पूर्व आलोचना को पूर्ण रूप से समझ पाएँगे।
4. भारतीय मूल्यवादी आलोचना की दृष्टि से अवगत होंगे।
5. मनोविश्लेषणवादी साहित्य को समझने में बहुत कारगर साबित होगी।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. हिंदी आलोचना को पूर्ण रूप से समझ पाएँगे।
2. भारतेंदु और महावीरप्रसाद की आलोचना वैशिष्ट्य से मुखातिब होंगे।
3. भारतीय मूल्यवादी आलोचना के अन्तर्गत हजारीप्रसाद द्विवेदी से लेकर नामवर सिंह तक के आलोचकों के आलोचना दृष्टि से अवगत होंगे।
4. निर्मल वर्मा, अशोक वाजपेयी और मलयज जैसे आलोचकों के आलोचना से नई दृष्टि उत्पन्न होगी।
5. इस प्रकार किसी भी रचना को देखने-समझने की एक नई दृष्टि उत्पन्न होगी।

Course Code – CC-2.5

Course Name – विविध विमर्श और हिंदी साहित्य

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. विमर्श के संकल्पना एवं स्वरूप को जान पाएँगे।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य रचनाकारों से परिचित होंगे।
3. उत्तर आधुनिक विमर्श के वैशिष्ट्य से परिचित होंगे।
4. दलित विमर्श से उसकी व्यापकता को समझेंगे।

5. संस्कृति विमर्श को पूर्णता में समझ पाएँगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. भारतीय एवं पाश्चात्य रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं को समझेंगे।
2. स्त्री विमर्श से स्त्री के समस्याओं को समझ पाएँगे।
3. दलित-विमर्श से भारतीय समाज में घटित हो रही तमाम दलित समस्याओं को समझा जा सकता है जिससे हमारी ज्ञान को विस्तार मिलेगा।
4. आदिवासी विमर्श से उनके जीवन संघर्ष और जल, जमीन, जंगल के समस्याओं को विकराल रूप लेते देखा जा सकता है।
5. तमाम विमर्श को जानकर वर्तमान एवं भविष्य निर्माण में इसका उपयोग करेंगे।

Semester – III
Course Code – CC 3.1
Course Name – राजभाषा और अनुवाद
Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. राजभाषा के सम्पूर्ण स्वरूप एवं विकास को जान पाएँगे।
2. राजभाषा के अधिनियम को पूर्ण रूप से जानेंगे।
3. पत्राचार के विभिन्न आयामों को जान पाएँगे।
4. अनुवाद की प्रक्रिया एवं सिद्धांतों से अवगत होंगे।
5. व्यवहारिक अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी) का अध्ययन कर पाएँगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. राजभाषा को समग्रता में जान पाएँगे।
2. विभिन्न प्रकार के पत्रों को लिख पायेंगे जैसे - अलेखन, अधिसूचना, प्रतिवेदन आदि।
3. अनुवाद के विभिन्न कार्यों को कर पाएँगे।
4. राजभाषा अनुवादक के तौर पर कार्य कर पाएँगे।

5. किसी भी हिन्दी साहित्य का अंग्रेजी में या अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद कर सकेंगे।

Course Code – CC-3.2

Course Name – हिंदी पत्रकारिता

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. पत्रकारिता के स्वरूप एवं महत्व का गहन अध्ययन कर पाएँगे।
2. हिंदी पत्रकारिता के उद्भव एवं विकास से पूर्ण रूप से अवगत होंगे।
3. स्वाधीनाता आन्दोलन पत्रकारिता के माध्यम से उस समय के स्वतंत्रता सेनानी के बारे में जान पाएँगे।
4. लघु-पत्रिका के आन्दोलन से अवगत होंगे।
5. रिपोर्टिंग एवं संपादन कला को सम्पूर्णता में जानेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के अध्ययन से उस समय के सामाजिक, राजनीति, आर्थिक और सांस्कृतिक कार्यों से अवगत होंगे।
2. स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न विभूतियों के वैशिष्ट्य को जान पाएँगे।
3. पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करके स्वावलम्बन हो सकेंगे।
4. रिपोर्टिंग का कार्य करने में सक्षम होंगे।
5. संपादन के कार्य में अहम भूमिका निभा पाएँगे।

Course Code – CC 3.3

Course Name – तुलनात्मक अध्ययन

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा और आवश्यकता से अवगत होंगे।
2. विश्व साहित्य और भारतीय साहित्यकी की जान एवं अवधारणा को समझ पाएँगे।
3. आधुनिक भारतीय साहित्य की तुलनात्मक विश्लेषण से अवगत होंगे।
4. आधुनिक बंगला और हिंदी साहित्य के मुख्य बिंदुओं को समझ पाएँगे।
5. हिंदी और बंगाल के साहित्यकारों से अवगत होंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. बंगला साहित्यकार शरतचंद्र, मानिक बन्द्योपाध्याय, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, सतीनाथ भादुड़ी, नजरुल, शक्ति चट्टोपाध्याय के रचनों से अवगत होंगे।
2. बंगला साहित्य के अध्ययन से बंगला भाषा और सामाजिक, सांस्कृतिक कार्य को समझ पाएँगे।
3. बंगला और हिंदी के तुलनात्मक साहित्य को जानने-समझने से आपस में समरसता बढ़ेगी।
4. बंगला और हिंदी साहित्य के अध्ययन से दोनों साहित्य का विकास होगा।
5. शोध कार्य में तुलनात्मक साहित्य से सहायता मिलेगी।

Course Code – CEC 3.1

Course Name – समकालीन हिंदी साहित्य

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. समकालीन साहित्य के अवधारणा को विस्तार से जान पाएँगे।
2. आधुनिकता, समसामयिकता और समकालीन बोध के आशय से अवगत होंगे।
3. समकालीन कविता के विकास से परिचित होंगे।
4. समकालीन उपन्यास के विकासात्मक परिचय से अवगत होंगे।
5. समकालीन साहित्यकारों के सामान्य परिचय से परिचित होंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. समकालीन साहित्य की विशेषता से अवगत होंगे।
2. समकालीन साहित्य की भाषा को समझने में सुविधा होगी।
3. समकालीन साहित्य में लोकचेतना को समझने से वहाँ के लोगों की स्थिति को समझने में सहूलियत होगी।
4. समकालीन साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों को जान पाएँगे जिससे हमारी ज्ञान में वृद्धि होगी।

Course Code – अथवा

Course Name – हिंदी साहित्य का मध्यकाल (सगुण भक्ति काव्य)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. भक्तिकाल के सगुण भक्तिकाल से अवगत होंगे।

2. तुलसीदास के उत्तर कांड को समझते हुए उनके उद्देश्य से परिचित होंगे।
3. सूरदास के भ्रमरगीतसार से परिचित होंगे।
4. मीरा एवं नंददास के काव्य से परिचित होंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. सगुण भक्ति काव्य से परिचित होकर उसके उद्देश्य की तलाश करेंगे।
2. भक्ति काल के विभिन्न रचनाकारों से परिचित होंगे।
3. विभिन्न रचनाओं को पढ़कर उसके धार्मिक परिस्थितियों को जान पाएँगे जिससे हमारी ज्ञान को विस्तार मिलेगा।
4. इसके माध्यम से परोपकार की भावना जागृत होगी।
5. लोगों में एक दूसरे के धर्म को लेकर सम्मान की भावना जागृत होगी।

Course Code – CEC 3.2

Course Name – समकालीन हिंदी साहित्य (समकालीन हिंदी कहानी)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. समकालीन हिन्दी कहानी के विभिन्न पहलुओं को जान पाएँगे।
2. दस कथाकारों के संबंध में और इनके कहानियों को जान पाएँगे।
3. इन कहानियों के माध्यम से तत्कालीन समस्याओं को चिन्हित करेंगे।
4. इन कहानियों के माध्यम से आधुनिक भारतीय समाज की पड़ताल कर पाएँगे।
5. इन कहानियों में शहर और गांव की खाई दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इससे अवगत होंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. समकालीन कथाकारों से अवगत होंगे।
2. समकालीन कथाकारों के जीवन संघर्ष को जान पाएँगे।
3. समकालीन कथाकारों के कहानियों से पाठक वर्ग सचेत होंगे।
4. समकालीन कहानियों से समाज में फैले छुआ-छूत के समाधान में सहयोग मिलेगा।
5. समकालीन कहानियों से लोगों में सहोयग की भावना जागृत होगी।

Course Code – अथवा

Course Name – हिंदी साहित्य का मध्यकाल (निर्गुण भक्ति काव्य)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. निर्गुण भक्ति काव्य से अवगत होंगे।
2. कबीर के साखी से परिचित होंगे।
3. जायसी के वियोग खण्ड से रु-ब-रु होंगे।
4. रैदास के पद के माध्यम से उस समय के लोगों की भक्ति भावना को व्यापकता में देखेंगे।
5. सहजोबाई के जीवन संघर्ष एवं उनके दोहा का अध्ययन करेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. निर्गुण भक्ति काव्य को व्यापकता में समझेंगे।
2. निर्गुण भक्ति काव्य के विभिन्न रचनाकारों से अवगत होंगे।
3. कबीर की विचारधारा से अवगत होंगे।
4. जायसी के नागमती-वियोगखंड से विरह-वेदना को स्पष्ट रूप से समझेंगे।
5. निर्गुण भक्ति काव्य से ज्ञान प्राप्त कर सभी धर्मों का सम्मान की भावना जागृत होगी।

Semester – IV

Course Code – CC 4.1

Course Name – हिंदी नाटक और रंगमंच

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. हिन्दी नाटक और रंगमंच की बुनियादी जानकारी को प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी नाटक और रंगमंच के उदयविकास क्रम से भलीभाँति परिचित हो - सकेंगे।
3. नाटककार मोहन राकेश, शंकर शेष, शरद जोशी, हबीब तनवीर के रचनात्मक वैशिष्ट्य को जान सकेंगे।
4. हिन्दी नाटक के ज्ञान, संवेदना, शिल्प तथा रंगमंचीयता के महत्व को आत्मसात कर सकेंगे।
5. निष्पादन कला के विविध प्रकार की जानकारी को हासिल कर सकेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. हिन्दी नाटक और रंगमंच की परिकल्पना को समझने में सहज महसूस करेंगे।
2. हिन्दी नाटक के विभिन्न तत्वों एवं उसकी विशेषताओं की चर्चा कर सकेंगे।
3. हिन्दी के पौराणिक और वर्तमान कालीन नाटक व नाटककारों की व्याख्या और समीक्षा कर सकेंगे।
4. नाटक के क्षेत्र में निर्देशन, अभिनय, रूपसज्जा, रंगस्थली, दृश्ययोजना-, रंगदीपन, भाषा, शैली, संगीत, ध्वनि संकेत एवं दर्शक को समझने एवं रचने में सहायक सिद्ध हो सकेंगे।
5. हिन्दी की साहित्यक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नाटकों की मंचीयता करने में सहयोग मिल पाएगा।

Course Code – CEC 4.1

Course Name – समकालीन साहित्य में स्त्री विमर्श

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. स्त्री विमर्श की अवधारणा और उसके सौंदर्य से अवगत हो सकेंगे।
2. स्त्री विमर्श और मुक्ति आन्दोलन के भारतीय संदर्भ को ऐतिहासिक कालक्रम के आधार पर ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. वर्तमान दौर में मीडिया, बाज़ारवाद और विज्ञापन की दुनिया में स्त्री समाज के साथ अंतर्संबंध को समझ सकेंगे।
4. समकालीन हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श और महिला रचनाकारों के साहित्य को जान सकेंगे।
5. स्त्री साहित्य पाठकों में जनचेतना और जंजागरूकता को संचार कर स्पंदित कर सकेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. स्त्री विमर्श के विविध विधाओं के जरिए स्त्री जीवन और उसकी समस्याओं को समझने में सक्षम होंगे।
2. स्त्री विमर्श के मुख्य बिन्दुएं व पहलुएं उजागर होंगे ।

3. स्त्री विमर्श के जरिए शोषण, अत्याचार, बलात्कार व असमानता से उन्हें मुक्ति दिलाने के लिए विचारविमर्श कर सकेंगे।-
4. स्त्री मुक्ति आंदोलन के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और उसकी विशेषताओं को कह पाएंगे।
5. भारतीय समाज में स्त्रियों की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें सशक्त करने में सक्षम होंगे।

Course Code – अथवा

Course Name – मध्यकालीन हिंदी काव्य (उत्तर मध्यकाल रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. रीतिकालीन काव्यधारा को समझ पायेंगे ।
2. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य में अन्तर समझ पाएंगे।
3. उक्त काव्य में प्रयुक्त छेद, अलंकार, और रस को जान पाएँगे।
4. केशव, मतिराम और विहारी के व्यक्तित्व एवं कृतृत्व की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
5. रीतिकालीन काव्यधारा की तत्कालीन परिस्थिति समझ पाएंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. रीतिकालीन काव्यधारा की व्याख्या के विकार पाएंगा
2. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य में अन्तर को समझकर कवियों और उनकी रचनाओं रचनाओं को क्रमानुसार विभक्त व विश्लेषण कर सकेंगे।
3. रीतिकालीन काव्यों में प्रयुक्त छेद, अलंकार और रस की प्रयोजनीता को बता सकेंगे।
4. केशव, मतिराम और बिहारी के बारे में जानकारी प्राप्त करके तत्कालीन संदर्भ और अन्य काव्यों के साथ जोड़कर अध्ययन कर सकते हैं।
5. रीतिकालीन काव्यधारा की परिस्थित और वर्तमान परिस्थित की समता व विषमता को अभिव्यक्त कर सकते हैं।

Course Code – CEC 4.2

Course Name – समकालीन हिन्दी व्यंग्य साहित्य

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. व्यंग्य का अर्थ, स्वरूप, प्रकृति और प्रयोजनीयता की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी साहित्य में व्यंग्य का महत्व और उसकी साहित्यिक परंपरा को समझ पाएंगे।
3. भारतीय समाज के परिप्रेक्ष्य में व्यंग्य साहित्य के गुरुत्व को समझ पाएंगे।
4. हिन्दी के व्यंग्यकारों के जीवन और उनके रचना संसार को बारीकी से समझ सकेंगे।
5. व्यंग्य साहित्य की भाषा,शिल्प,सौन्दर्य तथा रचनात्मक गुणों को परत दर परत विश्लेषण कर पाएंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. व्यंग्य और उसके साहित्य की आधारभूत जानकारी साझा कर पाएंगे।
2. व्यंग्य साहित्य के माध्यम से सामाजिक समस्याओं, विसंगतियों, खोखलेपन और पाखंड को उजागर कर सकेंगे।
3. हिन्दी व्यंग्य साहित्य की चर्चा गहराई व विस्तार से कर पाएंगे।
4. समकालीन हिन्दी व्यंग्य साहित्य की भाषा, तकनीक, कला और सौन्दर्य की शानदार अभिव्यक्ति होगी।
5. प्रस्तुत रचनाओं की अंतर्वस्तु से प्रेरित होकर सामाजिक उन्मूलन करेंगे।

Course Code – अथवा

Course Name – मध्यकालीन हिंदी साहित्य (उत्तर मध्यकाल रीतिमुक्त, श्रंगारेतर काव्य)

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. उत्तरमध्यकालीन काव्य की विशेषता जान पाएँगे।
2. छंदबद्ध और छंदमुक्त काव्य के अंतर को जान पाएंगे।
3. रीतियुक्त और रीतिमुक्त काव्य की कमियों व खुबियों को समझ सकेंगे।
4. श्रृंगारेतर काव्य से अवगत ही पाएंगे।
5. घनानंद, भूषण और रहीम के कावग्रंथों से परिचित हो पायेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. उतरमध्यकालीन काव्यगत विशेषताओं को साझा कर सकेंगे।
2. छंदबद्ध और छंदमुक्त काव्य के अंतर को स्पष्ट कर पाऐंगे।
3. रीतियुक्त और रीतिमुक्त काव्य को अभिव्यक्त कर पाएंगे।
4. श्रृंगारपरक और श्रृंगारेता काव्य की प्रवृत्ति को बता पाऐंगे।
5. घनानंद, भूषण और रहीम के बारे में विशेष जाकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Course Code – OEC 4.1

Course Name – जनसंचार और मीडिया

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. मीडिया और जनसंचार के अर्थ और स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
2. संचार के विभिन्न घटक और प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
3. जनसंचार के विविध माध्यमों के बारे में जान सकेंगे।
4. जनसंचार के मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के बीच के अंतर को ज्ञात कर पाएंगे।
5. प्रेस व मीडिया से संबन्धित संवैधानिक नियमकानून से परिचित हो - सकेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. मीडिया और जनसंचार परिभाषित कर सकेंगे।
2. मीडिया और चकाचौंध की दुनिया में महिलाओं की भूमिका और उसके महत्व को स्पष्ट कर पाएंगे।
3. जनसंचार और ज्ञानविज्ञान के संबंध को साझा- कर सकेंगे।
4. सोशल और वेब जर्नलिज़्म की ख़ूबियों, कमियों और चुनौतियों को विश्लेषित कर पाएंगे।
5. मानवाधिकार, आचारसंहिता, सूचनाधिकार तथा प्रेस क़ानून की जानकारी बाँट पाएंगे।

Course Code – अथवा

Course Name – सृजनात्मक लेखन

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. सृजन के अर्थ और परिभाषा से रूबरू होंगे।

2. सृजन और सौन्दर्यशास्त्र के पार्थक्य को समझ सकेंगे।
3. सृजनात्मक लेखन और उसकी प्रणालियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. नाट्य लेखन, मडिया लेखन, विज्ञापन लेखन और फिल्म लेखन की प्रविधियों व चुनौतियों को जान पाएंगे।
5. सृजनात्मक लेखन के गुणों और कौशलों को विकसित कर सकेंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. सूजन की अवधारणा को अभिव्यक्ति कर पाएंगे।
2. स्टजन और सौन्दर्यशास्त्र के संबंध और अंतर को दर्शा सकेंगे।
3. सृजनात्मक लेखन संबंधी ज्ञान से सृजनात्मक लेखन की ओर प्रोत्साहित होंगे।
4. अपने आपको नाट्य लेखन, मीडिया लेखन, विज्ञापन लेखन और फिल्म लेखन के क्षेत्र में विकसित कर सकेंगे।
5. सृजनात्मक लेखन की और निरंतर और गतिशीलता प्रदान होगी।

Course Code – OEC 4.2

Course Name – हिन्दी और बांग्ला का भाषिक और व्याकरणिक अध्ययन

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. बांग्ला भाषा के बुनियादी जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
2. हिन्दी और बांग्ला भाषा के विकासक्रम को समझ सकेंगे।
3. हिन्दी और बांग्ला की ख़ूबियों और कमियों को जान पाएंगे।
4. हिन्दी और बांग्ला के रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
5. हिन्दी और बांग्ला भाषा व्याकरणिक ज्ञान हासिल करने में सक्षम होंगे।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. बांग्ला भाषा से परिचित हो पाएंगे।
2. हिन्दी और बांग्ला भाषा के विकासक्रम को बता पाएंगे।
3. दोनों भाषा के व्याकरणिक ज्ञान को साझा करने सहायता मिलेगी।
4. हिन्दी और बांग्ला के अंतर्संबंध को विश्लेषित कर पाएंगे।
5. भाषा अध्ययन के माध्यम से सामाजिक सांस्कृतिक सौहार्द बढ़ेगा।

Course Code – अथवा

Course Name – भाषा शिक्षण

Course Objectives – (कोर्स उद्देश्य)

1. हिन्दी भाषा शिक्षण की अवधारणा और उसके स्वरुप से अवगत करना।
2. भाषा शिक्षण के सिद्धांतों और विधियों की जानकारी देना ।
3. हिंदी शिक्षण में प्रयुक्त होने वाली सहायक सामग्री प्रयोग का उचित प्रयोग सिखाना ।
4. हिन्दी शिक्षण के संदर्भ में भाषा के विविध प्रकार को समझने का सामर्थ्य पैदा करना।
5. भावानुकूल, भाषाप्रयोग-, स्वर निर्माण एवं अंगसंचालन की कला का - अभ्यास कराना।

Course Outcome – (कोर्स परिणाम)

1. भाषा शिक्षण संबंधी मूलभूत बातें जान पाएंगे।
2. हिंदी भाषा शिक्षण के विधियों और सिद्धांतों को वास्तविक धरातल पर उतार कर दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. हिंदी शिक्षण में प्रयुक्त होने वाली सहायक सामग्री का प्रयोग करके भाषा शिक्षण को प्रभावशाली उपयुक्त बनाएँगे। -
4. मातृभाषा, औपचारिक भाषा तथा अन्य भाषा जानकार हिंदी शिक्षण के कौशल कला को विकसित कर सकेंगे।
5. संज्ञानात्मक, बोधात्मक, रसात्मक, सर्जनात्मक, प्रयोगात्मक तथा विश्लेषणात्मक उद्देश्य की प्राप्ति कर सकेंगे।